भारत सरकार

इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1755

13 दिसंबर, 2021 को उत्तर के लिए

इस्पात संयंत्रों का आधुनिकीकरण और विस्तार किया जाना

1755. श्री धीरज प्रसाद साहू:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड (सेल) ने अपने इस्पात संयंत्रों का आधुनिकीकरण और विस्तार का कार्य पूरा कर लिया है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या यह सच है कि सेल की कच्चे इस्पात क्षमता को बढ़ाने के लिए उसके इस्पात संयंत्रों के आधुनिकीकरण और विस्तार का कार्य आरम्भ हुआ था, यदि हां, तो आधुनिकीकरण और विस्तार के बाद कितनी मात्रा में इस्पात का उत्पादन करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था;

(ग) वर्तमान में भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड (सेल) कितने मिलियन टन इस्पात का उत्पादन कर रहा है; और

(घ) निर्धारित लक्ष्य की तुलना में कम उत्पादन के क्या कारण हैं?

उत्तर

इस्पात मंत्री (श्री राम चन्द्र प्रसाद सिंह)

(क): स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने भिलाई (छत्तीसगढ़), बोकारो (झारखंड), राउरकेला (ओडिशा), दुर्गापुर (पश्चिम बंगाल), बर्नपुर (पश्चिम बंगाल) के अपने पाँच एकीकृत संयंत्रों तथा सेलम (तमिलनाडु) के एक विशेष इस्पात संयंत्र के आधुनिकीकरण और विस्तार का कार्य शुरू किया है। इन संयंत्रों की आधुनिकीकरण और विस्तार योजना (एमईपी) के अंतर्गत प्रमुख इकाइयों को पूरा कर लिया गया है।

(ख) से (घ): अपनी आधुनिकीकरण और विस्तार योजना (एमईपी) के अंतर्गत, सेल ने शुरू में कच्चा इस्पात उत्पादन क्षमता को 21.4 मिलियन टन प्रतिवर्ष (एमटीपीए) करने की परिकल्पना की थी। तथापि, भिलाई इस्पात संयंत्र और राउरकेला इस्पात संयंत्र में इकाइयों के पूरा होने के बाद और इन संयंत्रों में सभी इकाइयों का संवर्धन/स्थिरीकरण होने पर सेल की प्रचालनात्मक क्षमता 20.72 एमटीपीए तक पहुँचने की परिकल्पना की गई है, क्योंकि भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) की उत्पादन क्षमता के पूर्ववर्ती नियोजित विस्तार के भाग को बंद कर दिया गया है और अलॉय इस्पात संयंत्र (एएसपी), दुर्गापुर और विश्वेश्वरैया लौह और इस्पात संयंत्र, भद्रावती में आधुनिकीकरण और विस्तार योजना शुरू नहीं की गई है। सेल का कच्चा इस्पात उत्पादन अप्रैल-नवंबर, 2021 के दौरान उत्पादन 11.249 एमटी रहा, जो अप्रैल, 2021 से जून, 2021 की अवधि के दौरान कोविड की दूसरी लहर के कारण उत्पादन प्रभावित होने के बावजूद 2019-20 (पूर्व-कोविड-19) की समान अवधि के दौरान 10.266 एमटी के उत्पादन से अधिक है।

****